



3265

3255

धृतिद्वयानि
द्वयद्वयानि

४ वीकिन्नना॥ विष्णुचक्रक॥ सिद्धाहमामिदवधानय॥ १२ ॥ जसुनादेत्यदेतयद

१० असूनदे
यथा नाम

१५२ नृजिज्ञात्रि दानवाः शुक्रसिद्ध्यादितिसूताः चर्चदवाः सूनद्विषः॥ सर्वः सूनतावृद्धाः ३

मम राजसूयगतशसमकरा अरगवान्मात्रजिष्वाकनर्जिनः॥ यत्र रिश्वदसवलाः ५ द्वय

बुद्धरात्रिस्तमास १८

वादिनायकथमनिन्दः शयनः शक्तः मूनिः शक्रमनिमुयः ॥ सः शक्रसिंहः सर्वः

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ सिद्धोऽसौ दानिगुप्तः ॥ गीतमंभूक्तवधूयः मायादवीसूतः ॥ उक्तात्महस्तन

ॐ यिताम ह॥ हि न अगला ला कसु सुय रूय द्वा नन॥ अता उ आनि दुहि भा विन

३३ गाना
प्रनसुना

२ वसुदवसना
महा

रनकेटराजिदिधुगणावला कून॥ वसुदव ६ मजनक॥ सववानक इन्द्रिशा वनराड

१ यलमध्यावनदवा च्च दागुज॥ प्रवति तमललाम॥ कामयाला हलाय॥ अगानिलाम प्राप्ता ७

हिलयः सला कामवतीहली॥ सिकर्षल॥ गत्रयालि॥ कालिदिश द भावल॥ लाङ्गली

११ वनराडम
७ नाम

तललश्चाव प्रवतियति नूतम॥ मदनाम नमलामा न॥ यद्गुभासीनकेतन॥ कन्दर्पदि

यकाइनड॥ कामय॥ गत्र॥ समुत्रात्रिर्मनसीज॥ कुम्यव न न्याज॥ अथ

१८ कामद
७ नाम

अत्रात्रियतिर्मि कथज॥ मनातलककदुयकुसुमायधुचुथो॥ वन

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

सहस्रविंशक द्वाविंशति त्रिंशति चत्वारिंशति पञ्चविंशति षड्विंशति सप्तविंशति अष्टविंशति नवविंशति दशविंशति

ॐ नमो भगवते ॥ १ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥
ॐ नमो भगवते ॥ २ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥
ॐ नमो भगवते ॥ ३ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ४ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥
ॐ नमो भगवते ॥ ५ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥

॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ४ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ५ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ६ ॥ विष्णुसूक्तम् ॥ सुदर्शनचक्रम् ॥ कोमादकिं दद्यानाम् ॥ विष्णुसूक्तम् ॥

याकमुलावनशकमन्त्रताः सर्वज्ञाः श्रीललाहितः हनः स्मरह प्रोतग्यमु

अव सुकमुलावनकः ॥ गमधत्राः कत्रियः कुतुर्धसिवृषधजः ॥ आसकः ॥ अरवारिमः

॥ ५ ॥ आवसना
मः ॥

स्मपूतुउउमायतिः ॥ दकयः हनः मुकः ॥ निविविउउमधः ॥ अकमुक्तिनलीन्या

गावसुअरु
मुक्तिः ॥

॥ ५ ॥ आवसना
मः ॥

गावसुअरु
मुक्तिः ॥

यानाः ॥ ५ ॥ आवसना
मः ॥

गावसुअरु
मुक्तिः ॥

सागेः ॥ गीमधत्रमधः ॥ कयर्धस्यजः ॥ अशः ॥ यिनोकाः ॥ गवधनः ॥ यथः ॥ सुः ॥ यात्रावदः

बुक्तादिः ॥ अकः ॥ प्राः ॥

विरुति

अलिमात्रः ॥ यिमायाकिः ॥ आकाशः ॥ मः ॥ हिमातः ॥ ॥

॥ ५ ॥ आवसना
मः ॥

कालीः ॥ हेमवतिः ॥ शः ॥ निवारः ॥ वानिलः ॥ डानीः ॥ गर्वनीः ॥ सर्वमंगलाः ॥ अवः ॥ लुयावतिः ॥ इमः ॥ मुजनीः

मादिः
अरुः
मिदिः

१० वा ३३ ति स नाम

वर्षा का वि का ॥ ६० ॥ वि नायक वि द्य ना ज धे मा तु त ग ल धि या ॥ ज थ क द न ह त म ल भा द

६ ग ल ३३ त स

ना म ३

द त र ग ज्ञा न ना ॥ का र्ति क या म हा स न ॥ त ज ना ष ज न न ॥ या र्ति न न न ॥ रु न ॥ सु ना ना ७

११ गि र ह र ह ॥ वा दू ल य स्ता न क जि हि ॥ म र व ॥ रि व वा ह न ॥ वा म्मा दू त ॥ कि ध त ॥ क मा

११ क मा व र त ॥ ३३

ना म ३

११ क मा व र त ॥ ३३ ॥ ग ज्ञा म तू त्वा न म द वा न् वि ज्ञा या क म स न ॥ व द ॥ वा ॥ सु ना म ल ॥ व तू

रु त ॥ व तू न द न ॥ जि मू ल्ख र व र ॥ क ॥ त म न्दि व म्मा ति ॥ सु रा मा ॥ म र ह ॥ ह ज्ञा वा स

वा व र ह ॥ व र्वा ॥ वा स्ता ॥ व ति ॥ सु न य ति ॥ व ला ना ति ॥ वि य ति ॥ ज र ह दि ह त्री ह य ॥ स्वा ना

१७००८ सुनाम॥

मसुचिसुदनः। ह्यद्वयना इत्यवनमुना वामेयवाहनः। अथ लुलुसह साकं प्रभुका

००८ सुसिधानाम

असुवावतिया । उषेसवागलः॥

अव

तस्य तु प्रिया॥ यत्रा मज्जा सुची शृङ्गलाः॥ नगत्रिहं मत्रावर्तिः॥ हयडः॥ श्वेष्टं वासुता

००८ सुसु
नयि० यामना

नन्दनवन

००८ सुसुहयानाम

००८ सुयुक्त

नेना वतक
सिमानाम

मातलिर्नन्दनवनं॥ ह्यगुवासादवेज्यम्॥ जयनपाकमसनिः॥ अनेनाव

नेना वतयति

००८ यनाम

ननु मार्गः। गोत्रावनाम सुववृताः॥ अदिनिष्ठजसंमिह्या लुलिगतिद्वयविशगत

१० वडयानाम

विमानयानाम

नालदुर्गकमुसुताम

अथि

काठिष्ठसुगमोदशालिर्नसुनिदयाः॥ ज०॥ अमथां न विमानं॥ नात्र दाशसुत्रव्याः॥

००८ सुमरास्मान

१० अमयानाम

आकाशगमयानाम

ह्यत्सु० अमीदवसराः॥ विष्वक्ममृत्सुखा॥ मन्दाकीनि विर्यगमसुत्रादि सुत्रदीर्घि

मि २

सुमयवतमानस
दुवभाकथयस

काशामिन्सुभन्तुहमाडो नल्लसा नूस्सु नालयशा यच्छुते दवतत्रधामन्दात्रयात्रिजातक

धतदवव
क००॥

अ व

शासुनानक०कअवृक०यसिवाहतिचन्दनम०सनकुमानावेधगु०सवेद्यावेधिनासु

१०

होलितिकुसात्र

उर्वगाभनकारजद्युताविचक्रुहला
विगुसनावमदनयनी चउथाकमिध

देवय
नवि०

तोनासुत्यावाग्निनादमावाग्निनयोवतावूतो०मिद्यामदुससुनस०सवेधउर्वगामुखा

दवयमृदग
ल००॥

००॥ तातादुदुगेवसाद्यागन्धवृमिदिबोकस्य॥ अग्निवेधनभावक्रिवितिहातावन

य०कविठथानिर्गोलभाजातवदसुन्नयाता॥ वहि०गुम्माककवसा०मविक्कमउव

वूध०अ०यासावृहहाक०क०भन्तु०यावका०नल०॥ प्रादिता०मवायुतसखाणि

खावा नां शुशुक्लिः॥ हितं भूतं कृतं तु गुरुना ह वा वाहनः॥ सकाचिदमनाः शुक्लिः

१ तन्निर्ममेने १ वृत्तान्तं अग्निमानस

उत्तान् विता वसुः॥ शुचिर्नायिकमो विमुः॥ वाउवा वृत्तान्तः॥ वद्वि वृत्तान्तं किना वद्वि ११

१ यथा ज्ञाता यना १ यथा ज्ञाता यना

अव

हं आरामि याः॥ शिवस्त्रिंशत् लिङ्गं लिङ्गं कलः॥ सकाचः॥ सद्वातिः॥ वृत्तं दं वृत्तं गंधं वृत्तं गंधं वृत्तं

निंलागुः॥ समानं मी नृत्तं मन्त्रं गत्या लः॥ समानं नरसं हागयवमं यवमानं यत्तं जना

१ यथा ज्ञाता यना

१ समानं वृत्तं नाजाः॥ यिष्टं यतिः॥ समवर्त्तयता ना०॥ कृता नायम् नाताः॥ समानं यम

१ यथा ज्ञाता यना

नाद्यमः॥ कालाद्युतं वृत्तं दक्षिणं वसुतां ककः॥ नाकसः॥ कोल्यः॥ कथा कथा दायय

नानासिद्धि
नाम

सिद्धिनाम
नाम

सिद्धिनाम
नाम

तस्यैव। सततं नाना तद्विषयं तद्विषयं तद्विषयं॥ निर्या नव नाना तद्विषयं तद्विषयं तद्विषयं॥

अतिवृत्तनाम

जातकं दाया

अम

अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥

१३

अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥

चाक्री वंशाद्याद्यसर्वस्यापि विषयं दग्धमियत्॥ क्व वत्सु मयः सर्वव्ययं ननु अकल

नानासिद्धिनाम॥ नानासिद्धिनाम॥ नानासिद्धिनाम॥ नानासिद्धिनाम॥ नानासिद्धिनाम॥

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम

अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥ अतिवृत्तनाम॥

यद्वाप्यहायद्वाप्यसकनमव
म. मुक. नन्दनलवव. वानस. दो. न. थ. न. द. त. ॥

॥ ७७ ॥ का स्याताम्

ॐ गनमननसूत्रवत्सर्वविद्यद्विष्टवदवाविष्टाकासविहयसिः। दिशमुक्कुराः काकाः १५
 दसदिशाग
 निध्यानामः
 वृत्त्यविन्याविन्या
 शब्दहरीतशताः। प्राचावाविष्टाकाः पूर्वदक्षिणयस्यामाः। डकनादिमुदिविष्टादिः अनुविष्ट

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दिग्गवः॥ ॐ शिवः ॥ ४ यि नृपतिः त्रैलोक्यवत् ॥ ५ मन्ताक्षवत् ॥ ६ शयनः ॥ ७ अर्धदिनादि ॥ ८ क्रमात्
 ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

५४ वंशनिम्बुलिकान्)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५१००० दिगंतियायैर्धन

मात्रिलिचाङ्गः

सुभक्त्यामान । सुनन्तात्रयः सुवर्वा

ਸ੍ਰੀਮਤਿ ਬਾਮਨ ਭੁਇੰਨੀਯ

मूकनाम्न ता० ४॥ वक्षो यत्र सुकलकामद्यद्वृद्धि इति त्र॥ न विष्णु कामहिसूनुः सती नृती नृजा

धनमुक्त्यर्थं बोदिदिग

॥ मनिवाच ॥

अस विष्णु वृष वृहस्पति ऐव दिग्भूमिभूतः अथ साः अन्तर्होत्र वक्ष्यन्ति सितकटुल यवात्रणः अथ १७

धर्मशास्त्राणाम्

अनतित्रा अनयि अनचूद नानिच ॥ ९० ॥ हिमाशु श्वत्सु माश्वत्सु रून्द् ॥ कसद वार्धव ॥ वि

सर्वस्वप्रदप्रदप्रदप्रद

५४ सु५४ ४४ रा४४ ना४४ ८४ नि४४ यति४४ ॥ ज४४ जे४४ वा४४ क४४ सा४४ ८४ म४४ ग४४ द४४ क४४ ला४४ नि४४

२० चन्द्रयाना चन्द्रसंसारशक्त्यायादि चन्द्रसमस्त
सर्वेषां चिदायानामा

ॐ॥ द्विजराजः गणधरानन्दः ॥ ४८॥ कल्याणः ॥ कल्याणः ॥ विष्णुः ॥ मिः ॥

कटककय

उत्तरासुत्राववधि। तन्मित्रायात्रा॥
वधि।

सुनमय कमल
ममलया नाम

लक्ष्मिष्टिरुं भक्तलखलुवा यं सार्द्धं समः भक्त॥ चन्द्रिका कोम्दि अस्माद्यसादमुयस

चन्द्रसकलकयानाम्

अमतायाम्

वृताः। कलका कालाः। नः। विद्रुलः। वलः। स्वमायन माः। अताः। अरुकाः। निः। इति

रवः। यानाम्।

वायुयानाम्।

वायुदाविदः।
ययानाम्।

अम

गुविः। अस्यायमु निहासमुवालमुदिनदिमः। प्रार्यलमहि वाकावाथादिमानिदिमः

थः। सः। उतिः। लिगः। दः। रायः। लिगः। सः। दः। नः। वायुः। नः। सः। यानाम्। वायुः।

सहतिः। गावः। गुलः। तदः। दः। धः। सुविमः। निगः। प्राउउः। गुवातः। गतलः। गातादिमः। सः

अवयानाम्।

मगः।

कान्तिः। लिगकाः। अर्कः। अर्कः। नयादिह्या दगः। मः। र्कः। रः। सः। वः। मिगः। वः। त्रिः। त्रिः। वः। लायः।

लगः। मः। सः। मः।

लविनादिप्रवतितावनगतिः।
दाकादाकायगानाम्। सः। अयः।

मः। डासः। धर्मिनाः। नः। कः। मः। मः। ताः। ताः। तः। कायः। वः। वाः। मिः। याः। दाकायस्याविनीह्यादिताः।

लविनीनकः। विगः। अयनः। कः।

वः। अयनः। कः। अयनः। कः।

अवयगविनाः। ताः। अविः। सायः। यः। यः। तुः। सिः। अतिः। विः। यः। र्यः। सः। मः। अतिः। कः। सः। थायः।

वाकना॥ तासुनाहसुनाव प्रयुताकलविताकना॥ तासुदिवससुकाश॥ हनिद॥ भू

जुम

तस्मय॥ विकननाकमाकुमुमिदिनात्रलयवन॥ द्युमलिस्त्रनिमिपशिगतावदिभावन

१२

३१॥ सुययाना
म॥

॥ वितावसुयहयतिस्त्रिवायतित्रहस्यति॥ तान्दसः सहसाशुसुवनः सवितात्रवि॥

मा० त्रयिगत्र॥ दगु॥ धसर्क॥ दवसूर्यसजव
ववचाद॥

अत्रलया नाम॥

मा० त्र॥ यिजसादगु॥ धु॥ ध॥ ध॥ यात्रियाविक॥ सुतसुता॥ इत्र॥ ध॥ इन्तू॥ का॥ ध॥ यिर्क॥ त्रुग
सूर्ययाविवनप्रतामगुत्र

ज॥ यत्राविवनमुयत्रिवात्रयसूर्यकमधुत॥ कित॥ ल॥ मु॥ म॥ यूरव॥ शु॥ ग॥ त॥ सि॥ द॥ ल॥ ध॥ व॥ य
सूर्यकित्रलया नाममत्रिविगवमिलिग
यलिगदी यितिमिलिग॥

॥ ११०॥ तान्दकनामत्रीकी॥ सुय॥ मथादी यिति॥ मुय॥ सूर्य॥ यतान्द॥ चि॥ वि॥ हा॥ रा॥ म॥

यव
यव

धन दिव्या नाम

गुणानिराल

विद्युतिदीपयशप्राविष्टः विरुक्ता विप्रकाः आतज्जतयः काष्ठाकवाष्ठासदा

तं तु मइतिरकोकादि
रुतिउ ६४॥

तवनिरात्र

रुजल

अम

कंदुर्विषादति॥ तिष्ठति रवर्तनदृष्टगृह्णामतीचीका कालादिषु

२०

कालयानाम

धनितुतिमि
सि ६४५

युतिवृदाज्जुतिविमि तिगवर्तिगवज्ज

यानसविस्मयायथयदति॥ युतिपद्यो ६४५मिस्व त दद्यामिथया दया॥ य

दिवसयानामनमस्कृतं ३४॥

सूदयतः

भादिनाहला वातुक्रिवदिवस वासनायुष्यथाहमूर्त्तकला मूर्त्तयुष्यवसीज

संकात्रयानाम

युधमयहन

जयदिनक

यियुतातश्चदिनानि तु सावष्टसंख्याविष्टयुष्टाया ज्ञायता ज्ञासंख्या ज्ञामि संख्या

विमिययहन

धनन

प्रिसं

रात्रियानाम

गर्वना॥ निगता निविनी रात्रिमिया साद्वनदादया विरावनामसिधोत्रजनायामि

[illegible][illegible]

इति मन्त्रायन १२ मू
किञ्चिदयम्

नस्तु मूद्रा अद्वा दशमि यक्षि मनु रिण दहा मरु ४ यक्ष मू दशय ४ वक्षो वृ वय
यक्ष वास विधान मरु तिन मास त ^{ध्यान मरु तिन मास त} ^{ध्यान मरु तिन मास त} ^{ध्यान मरु तिन मास त}
विधान
मो मुक्त क क्षो मास मु ता वरो ॥ हो दो माद्या दि मा सो ह्या द्यु मे नय न वि रि ४ अय न द्व
दित न द कि न य न अय न दानि ^{कि वि वा वा ड न काल वि धि र्मु क्त नि ला का}
मु ति मू र्क उरु त्राय न वि धि न मरु ति ३ ^{वि १ मास १२ ल क ति ला का त्र या ना म ३ ॥}
गति त्र य य दि न कि स्य व त्त ल ४ स म त्र रि दि व काल वि व व दि व व व त त् ॥ यक्ष

अम

यन २२

यत्रा य नि गाय य न क उ म्का ४

माद्ये य नि मा म दन ^{ध्यान मरु तिन मास त} ^{ध्यान मरु तिन मास त} ^{ध्यान मरु तिन मास त}
कुरु ता त सा थ ध ४ ^{द य नि मू म रा या ना म न} ^{क उ र्क उ र्क उ र्क}

यका य र्नु ना सा थो वि मा स्य च य र सा ॥ ना मा स थो वा मा द्या श्र व व न का द सा य ल

विनाया नाम

धासनाया नाम

सनाया नाम

मा र्ज नि य स हा म र्ज य ग हा य नि क मु य ४ ॥ थो व त व स हा थो दो न का मा ध थ र

चा न्ना या ना म ४ ॥

इ च म्ना

इ व द्या ला या ना म

इ त क्का रा ना म

भु न ॥ ह्या त य स ४ यं गु नि का ५ थ च र च रि का म ४ ४ वे ग र व मां व वा ना ४ ४ ॥ अ व ४

२ दिक्ताया नाम

३ गुलिताया नाम॥

४ नाया नाम

क्र०३३ चिह्नयः॥ अवाट अवमुखा नराः॥ अवलिकः॥ सूर नरा ह्ययो कय द ताड

कतिताया नाम॥

कायलाया नाम॥

अम

ताडय दा॥ समा॥ १३०॥ स्या दं शि न ०००॥ धार्या ध्वय आ वि सा नु का ति कं॥ वा रु ला

२३

थि सलाघ स राध न रा जि नि वं गु नि रा वा का ना या ना
सु नो या म प्र ज्ञा ॥ स ॥

ओ कति कि क हि स न ॥ गि रा मि यी॥ व स न य स म य स र ति॥ ग्रा म उ व क

त व ००० ला दि त रा ग्रा म य द या ना म ॥

गु नि ला ००० ला व र्क य द या ना म ॥

क ति ला क य रा ग न द य

॥ नि दा घ उ ००० य ग म उ क उ म ग म स य ॥ मि यी वा व ट मि यी हि मि व र्क य ग न मि यी
ध न न व ट य द य ध र्क ति ग ॥ थि स ला अ दि स न ला र न य द य ध य द धि

अ ००० मि र त व ॥ यी सि मा र्क दी ना य ॥ गे ००० क मा ॥ स म स न ॥ हा य न ॥ मि ग न स मा ॥ मा स
म नू य मा र कि ध दे व या द न कि द ॥ व र्क स र हा रा ग न म नू य या न क न ॥
न यि त न या म वि त न या दं चि न व द व य म द न य ग न व क्रा स र हा रा ग कि ॥
हा ना र कि ॥ य म ॥ ना उ कि

न ह्या द हा रा ग ००० य ग व व ल दे व त ॥ दे व य ग स ह मु व व क ॥ क थो गु तो नू ली म न न
व स थ २

देवयाज्ञानमन्त्रकर्ममायुध
चुर्कलमायुध

यत्नमानामः॥

ननुदिव्यामयुगनामैकस्यकतिः॥ सर्वकः॥ यत्रयः॥ कल्पः॥ दयः॥ कल्पान्कः॥ हृत्वादि
वाचयानामः॥

अस

अस्मिन्नेयमान्मायाया वाचयित्वावकल्पकः॥ कल्पवृत्तिनेनाद्यमैधाइ
यत्नमानामः॥ ज्ञानदयानामः॥

२५

नितः॥ इत्युक्तं॥॥ एतद्दामैस्त्रिययि॥॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ मृत्वाति यमदाहर्कः॥

यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥

यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥

यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥

यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥ यत्तस्मिन्नेववृत्तिः॥

मानसी चित्तात्मानमनकात्रयं बोधय्या विवात्रम् ॥ अथा हात्र सुकृदु हा विविक्कि
 हं द ह या नाम निष्प य माना मः ॥ कु ना जित्तु गित मिथ्या ॥
 दृष्टिः

जम् हाउसं गयशा संह द ह य प्रो चाथ सभो निर्नु य निष्प यो ॥ मिथ्या दृक्कि नास्ति क ता व्याया २७
 यत्र दा ह विनन निष्प य चित्तः चित्त ज्ञान
 दाउ हा चिनन सभो रिहाने नाहानो दानि मिथ्या मति प्रमः सवि द गउः पति हान नि

जो यत्र ग नाय वात्र तम् अन ग व न्
 चिद् यि ग द्दो क द्द यि ग ॥ ४ चिद् किं मी त्र क म्म ब श व ले सु ध
 उल ग व्द अ दि य उल वा वि श का य लि ग उ अ मि लि ग य द थ द्द
 म वा र्द खान द्द क्ति या नाम १ वा वि श का वा लि ग १ ४
 गु क द य ४ य् स ग उ लि लि ग मु त द ति ४ ॥ हि ना ना हि ता त्र का त
 थ म द रो हि ना नि ख ला हि नि का ता न द्द खान मि

ला हि ति क ला हि नि का त्र ग म् क्ति या दि ना वि वा र्म नी र्म ल म र्थ यि र्
 ३२

नरकात्र

मि ति गये दध ग स व नि ह न

वि

द त्रि ला विय द त्रि ते न उ त ये ता छे न नी छे ता सि ता च साना ले च र

यु ति म उ याना म

ज ज ने र नि या

ता म म नि म य

व च न ता याना म

अ म प्रालि नि चो व वी वा क्कु उ ता त ति यो णा वी ग्वा नी स त स ति वा हा

या क न न म स व न य उ या

ग म स स य क हा या

वि ग व च न व र ष अ य ए ण इ य ण व ष स्या च्छा मु ण व मु वा र क दि

सा २

वि ल ह त त य
य न र व न श
मा क यो अ य

न नान दान अ ति स
ता य ह त न स त ति

न अ ति ति द या ना म

क्रु थ स जि क न ति

वि तु नि दा त्री स त ति द्वा ग त र्थ ल ष ठ क म वि ष सु ग व स्या दा भा दि म र व वा स न षा य ति ग

आ त ग क न अ म ग वि त्रि का दि ग

अ व दा त ष सि ता णे त्रा व ल क व व नो र न ष ह

नि र्ण या पु न ष या पु नि व ह पु मु व स त ष व ह नि ला

ध मु र क वि ण स्या द म ग वि य ता शु क्क शु र शु चि व त वि ग द ण य पु न षा

स त म म का त म म त म च का १ २ ता य या

ता य वा क्का य ना म

द त ष सि ता णे त्रा व ल क व व नो र न ष ह त्री न ष या पु न ष या पु न

सिद्धयेसुविष्णुवनीत्रवंधावद् ॥ प्रथमयानाम्

कृष्णनालासिद्धिः अम कालः अमलमंचकाः ॥ याभाओप्राहताडातः ॥
प्रादयानामः ॥ लकायत्रवनियानाम् ॥ हगतचकयानाम्

अम हतालासिद्धिः प्रादितात्रकुः ॥ अमलः काकनदः ॥ विः अयकः रांगसूत्रः ॥ अतः
नायः प्रादयानामः ॥ अयिवयानाम् ॥ लकाप्रादयानाम् ॥ हकजिवयानाम् ॥
नकासुपाटलः ॥ १७० ॥ आवः ह्यसुविष्णुः ॥ अमः अमलः कृष्णनालासिद्धिः ॥ अतः ॥

यतिशयादनः अगिकानवः

भाद्रपूरतः लंका

यामाधवः अवाः अगीकाः ॥ इत्ययममपुतिः ॥ अमाधयः ॥ १७० ॥ भाद्रपूरतः लंका नमः ॥
भाद्रपूरतः लंका नमः ॥ भाद्रपूरतः लंका नमः ॥

उविष्णुनगिलियमसुयाः ॥ अकिः ॥ अकः वलयनिर्बलः ॥ अयानिः अयसामृगः ॥ भाद्रपूरतः लंका नमः ॥

अनयन

क्राननननुनः

अतयव विषयः

अथः अमनमविद्याः अमतिः ॥ अमियाः ॥ अथः अमनमविद्याः अमतिः ॥ अमियाः ॥

मिरवानः अमनमविद्याः अमतिः ॥ अमियाः ॥

वार्त्ताप्रवृत्तिवृत्तिनुउ द न ४ ह्या द थ क य ४। ज्ञा ख्या क ज र ति ध न र न प्र धा पु न प्र व।
यं

[illegible]

किर्किया नामः॥

मुतियादायानामः॥

मजव-

दन्नागजयः॥ किर्किसं माहाव सुव शा र्त्तु न्ति मु तिः॥ जामुति तं दि-

तवस्तननादायाः॥ अकनसंतायनधरनकायावचनकाकः॥

नामः॥

जम

कं म्मेवुवुधायना॥ काकः॥ म्मिया वि का प्रायः॥ अक रिया दि रिह मा जव ३१

मचकवुल्लमय कायासंतादायाः॥ नाम

मवधस्तनवनादा

कृकियनि वदि यत्रि वाद य वाद वत्॥ उ य का अइगु सु निदा च ग हि लो वात्र

खलिवनादा॥ तममजतिनिदा अनकनिदायाद म्मायमाद तादा

यमरि वादः॥ हारु त्तरनैव कात्रगाः॥ यः॥ स निदा उ यत्र म्म सु ग हारु त्रि ताषली॥ तरुता

वित्तु नयनं नयनादा वनादाधम ॥ १॥ १॥ रवकायाय नाम निः पुमान् अयाः॥

काललयः॥ ह्या दा का अमे धूर्न पुति॥ ह्या दा तां अ मालायः॥ युला था नर्थ कव चः॥ ज

तत्र वल्लकायाया शवासांतादायानाम मनचक वित्रा अन्का ॥ १॥ २॥ ज न्माय

नूलायाम् दूताया विलायः॥ यत्रा द वनं॥ विपुला या वित्रा अकिः॥ सलाया

हिंमवचनया नामः॥ मरवासादा ५५॥ म
सुमदाः॥

वारवयदा

जाव
द. अ. य.
ह. त. दा. व. व.

१७०॥ सुयलायः सुवचन मयलाय सुनिद्रवः सुंद सुवाग्मचिकृष्ण दा ७२ दासुगिक्

जक्यावचन मंगलवचनया नामः
उद्यति॥

हिनके साययाद
क्रियावचनया नामः

चिकृष्णतायारव

चिकृष्ण
मवय

उद्यतिवार्ग्यालि स्या कल्याण सुतामिका अर्थमध्वरस लं सग दं दयंगमः॥ निवृत्त ३

महिदम

अनियमाया

अनन्यताक

मव्यावचन

वारवतयावच

अनन्यमम

मावचन

हिंदवचन

नामः॥

२३

हृदयमिम

वि. व. व. नाम

यत्र वं गुम्यं लं हलं सुनृत्तपिय॥ सत्यधर्मकूलं क्रिश्च यत्र स्यत्र वनाहता ह्यवर्णयदः॥

ननावाय कालकान यत्र कालः कुर
अनन्यमम कवचन क क्रायावचन

रं अ स वद्विचन

अनन्यया ० सयमद
य क्रायावचनः॥

यस्य निरर्हं बालितादिते अम्वृत्त सुनिष्ठ वमवद स्यादनर्थकं अनन्यमवाय्या स्यादा॥

अहवचन

सयमदावचन

असत्यनविदावच

निष्ठयस

५७ अत्रयानामः
कलिवाच्यलिग

न वचन

हंतुमृषाधर्क अर्थ शिक् मविष्यक वितथं स्वनं वचः॥ सत्यं तथं मृत्तं सप्रगं मृत्ति

वृत्तदति॥ श दनिनादनिनदधनिध्वनत्रयसनाः॥ स्वननिर्धोषनिद्रदिनाद

१० सर्वयाना वसुधावतया सिं हतज्वादिषां ज्ञातत्रयया
वा हाकसत्रयानाम मर्मत्रयय ॥

॥ ज्ञातव्यं त्रावर्तं त्राववित्रा वज्रथं मर्मत्रयं ॥ सन्निवर्तयुक्तं नादखलानां नुं गि ॥

स्वायासत्र (०) ॥ उत्थाप्रा सरवायाद्याद
काकित्रयासा त्रयिदस्त्रसकसायक
न आय ॥

किं त्रयज्वादिनशवृक्षवनथा
माशत्र

जम

कानानिक ०४ काल कलकनेनेनिर्यायि ॥ वीज्याः कलिभं यादः यु कालः यु कला दयः

जदिकयाकयंग ॥ जगतसात्रासद
नसुलः

धृकशत्र

मसात्रायनाम

॥ कालाहर्त कलकलमित्रं सा मितं रत्न ॥ मि यतिं श्रुति धामे गार्तमनमिमं सभा ॥

३३

धृतनसकसत्रय

धदातासत्रयुक्तनय

यदवर्तमानं त्रयं जम धम देवता ॥ १०॥ यक्षमय्यमिसक गनिक (०) नुता

विवाह

कलजातिनिकद (०) तं त्रयसत्रयानाम
नियार्थमसत्रय

जमनतव
उचुगनवा
चालुमि

॥ स्वराः काकलिर्गुक्लमृक्ष धनोपम धनासूत ॥ किलासन्दमुर्गतित्र तात्राः

खेमयाजनसतातात

वेल

उवलसवृक्षसयाततिन

यीमिषासमन्वितं त्रयं क तातावीणां तु वसु कि ॥ वियक्षी सातुतनिरिष्टं

तुतिनथमवाइइक। मनुष्यदुःखयइक। वंशजुदिस।
न न अय। अमि। नमः यइमरु।
वादिनातगवीनादिकवाइ। मानदमूलजादिकी। विष्वादिर्कतुष्टुवि

कसज्जदिअ।
रहाचकथय।
धयताचतुविधवाइ॥

म अ मरु म
वि मना योत
म। अय

अम

तालादिकघन। चतुर्विधमिदवाइ। वादिगताद्यनामक। मृदंगमृत्रजारेडादका ३९

उतवा
यानम

वाकतिप्रिया
नाम वि

निसान नायविउम
यानामत्रवि

लिगंधकामुय॥ ह्याद्य॥ यटहाटकीर योमानक इन्द्रति॥ अर्नक॥ यटहा कि

वनजादियठकका
दिन अयकथि
वनयदछ॥

विन्याक वनतम
मरात्रसि
वनमार्थधमउ

ह्यास्त्रि। वीणादिवादन। वीणादछु॥ वं वाल॥ ह्यार्क केरमुपुंअवक॥ कोलवकमु वाथा

ततिबलसि वाजनवि उमक उचउमकया यियावा यउयि॥
सव नाम पुत्रमपि म।

ह्या इयनाहानिवधन। वाद्ययुत दातम रम पुठिह मरु र ताशमदल॥ यलवा न्यचन

य्यावनम॥ नवनीमानाम॥ लदमानावावमानमममम। वउनाकल

किलासिकासम॥ विलसित उतमध तलमाधा घनकमान्॥ ताल॥ का

सामान
जिनावा
ने॥

निजजनचरित्रादियका
ने॥

यातावमितावनका
बनहुय॥

हउहाला काननीवचनिसखियति॥ जगहालाद्विदयावजकातिनया

सुतसदाकात्रामा ॐ सुतरदाधवयध

बेवहुसयुतायाविल्यकासाहिकाम

जउवुनयधतरतामनसरात्रयासाहिकता

जम

निवृत्तिलमसतायादिष्टिषाजिकसाहिक॥ १७॥ ज्ञात्रवीत्रकरुणकुतहास्यरयानका १७

धमनवरसधाय॥

मृगप्रसतिद्वयतिग

हर्षबाधप्रयबीप्रस

॥ वीरसत्रोडचत्रसा ॥ १८॥ ज्ञात्र ॥ १९॥ चित्रकाल ॥ उत्साहवृद्धनावील ॥ कारुण्य

करुणाप्रसयाना

अकुतप्रसदया

दास्यप्रसहल

करुणाधना॥ कृयादया ६ नृक म्याचजन्का ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

आकात्रस
मानाम॥

कोमुकरस॥

विचित्रद्वय॥ विस्मयाहृतमाध्वय॥ विस्मयमयधतेवेत्र॥ दारुणीरिबलीरिबली॥ धात्रीरिमित

क्रादायाकथा॥

चक्रवर्ति

यानक॥ रयकनयुतिरय॥ प्रोडरूयममागिष्॥ चितुदशदत्रासोरितिरि

हम माना मनविकात्र
रावसयक
अहंकारधमधिदम

तय्य॥ विकाला माना शारा वा क्नुता वार्ता व वा धक ४। गधी इति मान हंका प्रा मान विंते

धकु वया
नाम

अतिमान

अवहनयाद अ
यमान

अम

स मन्त्र ति ३॥ २१०॥ जनाद त्रय तिरा व ४ यतिता वं किं त्र क्रिया॥ त्राय वमान ना इव ३७

राज माना

कमावक या नाम

अवहनम सुकल॥ मना कं डी सु था विजल ॥ सां यग या अत ४ कानि सि ति का इति ॥

भवमात्रय विक
का प्रमय

मह हल या या ना
म

हिद कर्ज मि नि न क म व म
रात्र या नाम

मजा क या
नाम

तु यत्र सर्व विषय स्य सा॥ ज कानि त्रा य ५ सु या तु दा या त्रा था तु ७ व वि वि त्र वि त्र ५ वि

विजय स ५ म क

लिथे उ य ता य या य या नाम

द धा म न् ५ म को तु ५ उ क प्रिया॥ य ५ का य न् ता य ५ वि यु ति सा त्र ५ व ५ वि का य का

तम वा य या नाम

उ वि ग र या नाम

उत्तमूल का य या ना

५ म वी त्रा व ५ यु ति वा न् ५ क् ५ मि यी॥ ५ वी तु व त्रा न गाल म् न् मा द ५ वि ५ क् ति

अतिजाकया नाम

धुमानावियता हा द्युम प्रहो ध दा ह दी ॥ ४६ ॥ को का को सु द हार हा छलिया

कामनाय
मम म

अतिरसताया नाम

अमकउरिकाया नाम

अम प्रभात्रथ ॥ कामा इरिलावसु य ४७ समा हान लाल सा ह या ४८ उ या वि न वि म वि ना ३७

मनसु वि वि ना

मनन वि ना

तव वि नाया नाम

यस्या वि मनि सि य थ । स्या वि ना स्मृति रा धान म क ४९ के लिक स म । उत्सा हा ५०

तव सा रु स थाना नाम

क य ठ व

उवाक्या
नाम

वसाय ॥ स्या स वि य म ति ठ कि रा क क य ठा स्मृ धा ड द सा य ध य ५१ उ क के त वा क स

हथियानाम

अवहितप्रदायानु

क उतया नाम

ति त्रि कृ ति ४ सा अ म मा दा द न व धान ता को ता ह र को तु क क उ क क र्क र ह ली मि

यत्र अनयया यया वि वि न सु का म न
मया अ जना द न मा द मि वि या द स दा
क का मि या वि वि क अ य रा व

अनमा वि य म रा त र वि क वा य
जा व रे था मि मा म म न हा

अविलास वि वा क वि प्र माल लि त तथा ह सा लि त र य मा हा वा ५२ क्रि य ५३ म

सिद्धि वंदनम्

जगत्पति नमः
सर्वविघ्नहर्त्रे नमः
कृत्याद मित्रम्
वसुधा दायिनाम्

॥ १२ ॥ उवका लियनाहा साठ किं जलितवनमचि वाजायद जालकधु किं जकताच

चलति सावया नाम॥

चक्षु म दाय
नाम॥

अवसतावय्या नाम॥

उम

कुदन॥ दमो निदाद्य ४४ द ४४ द्याथुलथानवचवता ज्वदिक ६ काल ३ वि ४ सुमो ३९

विदिमास्यम्

नवचनदना

मृदयदतायानाम॥

रतिमधमनदता

समगर्तुमो॥ द्यादाकुलितक हास ४४ द्याय ४४ म नाक्कीत मधम ४ द्यादि ह सितं प्रा

धनत्रय
यानाम॥

लखयुटियानाम॥

रवगत्रयानाम॥

मृसाप्रमश॥ यमकि विन्दयवता ४ यमा सा विद्वय ४ मिय ४ वक्रा निवृट ४ दा ४ सूर्यमश्व

लखविहान
यानाम॥

रवजा दायानाम॥

वृतायानाम

विता
यानाम॥

जलनिर्मसा ४ कूल ४ ना ४ सुतिन ४ वयति न ४ तट ४ त्रि ४ ॥ २२ ॥ यात्रावात्रयत्रा वीयि तित्र

रवजा ४ नग ४ त्रिया
दायानाम॥

रवदात ४

रवदात ४

यागुत दनुन ॥ दिथा ४ मियामनु प्रिययादनु वीत्रि ४ मुट ॥ जया निउ ४ त्रिनि

सादिउ॥

नाउयानाम

वधवर्द्धनयायादि
या नाम

सिकतामयी॥ निषट्टनमुजसिलऽय कासि॥ भदकदमो जला कृपाऽयनीवादाऽरू

लखपनखसताया
किलियानाम॥

नामनउयालमायज
वेवायलिग॥

मिलिगनावयामम॥

हमयानाम॥

जम

यकामुविदात्रकाऽनायलिगिनायमियामो सुर्नलिमुना॥ उल्लुपनुध्ववऽकाल

रव्यालखलनया॥

नामवात्रह॥

हिनकादत्रखयन
धनयानाम॥

दिनासदकावसम
कलकाववनिजान

अनामसुनर्लहर्न॥ अतनमुत्रयथस्यादुलीककाम्वादिनि॥ सायागिकऽवतवलि

४४

गुयाथामत्रयानाम॥

रषववलया
नाम

गुलकाहावत्रययानाम॥

अमुनित वाऽऽमूयल्लुहानेनमिथो॥ उन्मूयसवर्न वात्रिय वादिनिर्ज प्राकुत्रऽ

आत्रयुयानाम॥

देवसंरवकरियानाम॥

गुधालकातदववनवकुहायया
नाम॥

दनीउकदं प्रावामि दवरवागविप्रउदा॥ गदुर्लम सुधोनामु चूताऽरू प्रायनागिध

अनायामराहुत्रय
सायवत॥

मलायवमयवुव
नामदमाचदय

गुधयातिउ॥

गुधुदवत्रव
गुधु॥

रवनिऽमियासाकलऽस्या दाऽयलनयवताऽउयत्यकाऽप्रासनाहमिन्दु मथि हकाऽका

त्ये

ASHA ARCHIVES 3255

अमरकोश
१४३

मनलिन आदिवं येसंवितायुधिरादि
यवतसु उक्ता विव
आजुषोऽयं

सिंहवर्गः

उमनः गिलाग्र उगोत्रिकुविः गायतः निरुज्जुं वंकी वलतां दिविहिता दूमा ॥ १५ ॥
सामान्यव्यानाम ॥ ॥ तव उया नाम ॥

अम गोलवर्गः ॥ १४ ॥ १ ॥ जटवर्गः विविनः काननं गहनं वनं मिहा त्रयं मंत्रं निगृह्य ॥ १६ ॥
कुड्या नवन
याना
म ॥ दयका वन्या ॥ म हात हास वः अया उ
नाम ॥ धानसुधया जव नवन
दिनवत य ॥

नामं मुनिवृद्धा ॥ ज्ञातामः स्यादय वनं कृत्स्निं वनं मवयत् ॥ ज्ञमात्यगलिका गहाय